Program; Degree		Class; B.A. Year III	Session 2023-24
Subject _ History { Theory Paper }			
1-	**Course Code**	**UHISTHI301**	
2-	**Course Title**	(History of freedom Movement in Madhya Pradesh) **(1836-1947CE)**	
3-	**Course type**	**Minor/Elective**	
4-	**Pre-requisite**	To study this course, a student must have had this subject in Diploma.	
5-	**Course learning out comes**	On successful completion of this course, the students will be able to: 1- Know about the sources of freedom movement in Madhya Pradesh. 2-Understand the significance of the flag Satyagrah, Jungle Satyagrah and the revolt of the Bundelas in Madhya Pradesh. 3- Know about the Non cooperation Movement, civil Disobedience Movement and Quit India Movement in Madhya Pradesh. 4- Know about the role of the Prajamandal in the Freedom Movement in Madhya Pradesh. 5- Know about the role of Mahatma Gandhi in the freedom Movement in Madhya Pradesh. 6- Familiar with the participation of women and tribal people in the freedom Movement. 7-Acquire Knowledge about the contribution of the Princely States of Madhya Pradesh in the freedom movement.	
p6-	**Credit Value**	**06**	
7-	**Total Marks**	**Maximum Marks: 30+70** **Mini. Passing Marks: 35**	

PART B : CONTENT OF THE COURSE

Total No. of Lectures- Tutorials Practical (in hours per week): L-T-P :

UNIT	TOPICS	NO. OF LECTURE (1 Hours each)
1	**1: - Source of Freedom Struggle & Rise of Nationalism in Madhya Pradesh** Source of Freedom in Madhya Pradesh. Historical Background of Madhya Pradesh (1836-1947CE). Rise	18

PK UNIVERSITY SHIVPURI

	of Nationalism in Madhya Pradesh Bundela Rebelion _ causes, Events & Result.	
2	**2: - The Revolt of 1857 & Non cooperation Movement in Madhya Pradesh.** The Revolt of 1857 in Madhya Pradesh: Nature, Causes, Suppression and Consequences. Regional Events- 1. Sagar- Narmada Region 2.Gwalior 3.Indore 4.Bhopal 5.Rewa 6.Bundelkhand. Non Cooperation Movement in Madhya Pradesh – 1. Mahakaushal 2. Gwalior 3.Indore 4.Bhopal 5.Rewa 6. Bundelkhand.	18
3	**3: -.Civil Disobedience & Quit India Movement in Madhya Pradesh.** Civil Disobedience Movement in Madhya Pradesh- 1.Mahakaushal 2. Gwalior 3. Indore 4.Bhopal 5.Rewa 6. Bundelkhand. Quit India Movement in Madhya Pradesh – 1.Mahakaushal 2.Gwalior 3.Indore 4.Bhopal 5.Rewa 6. Bundelkhand.	18
4	**4: -Role of Prajamandal, Women & Tribal's in freedom Movement** Role of Prajamandal in freedom Movement. Mahatma Gandhi in Madhya Pradesh. Participation of Women and Tribal's in freedom Movement. Contribution of States of Madhya Pradesh.	18
5	**5: - Freedom Fighters of Madhya Pradesh** Tantia Bhil, Khwaja Nayak, Bhima Nayak, Mardan Singh, Bakhat bali, Shankar shah, Raghunathshas, Ran mat Singh, Barkatulla, Kunjilal Dubey Keshav Prasad Vidyarthi, Ravishankar Shukla Dwarka Prasad Mishra Makhanlal Chaturvedi, Avantibai, Subhadra Kumari Chauhan, Sahodrabai Rai,	18

Keywords/Tags; Freedom Struggle, Nationalism, Bundela Rebellion, Non Cooperation Movement, Civil Disobedience Movement, Quit India Movement, Prajamandal.

PART C : LEARNING RESOURCES (Text book)

Sr. No.	Author	Book Title
01	डॉ० हीरा लाल	मध्यप्रदेश का इतिहास
02	श्यामसुंदर सक्सेना	भोपाल राज्य का स्वतंत्र इतिहास
03	श्यामसुंदर सक्सेना	युग युगीन भोपाल

PKU UNIVERSITY SHIVPURI

04	द्वारका प्रसाद मिश्र	मध्यप्रदेश में स्वाधीनता आन्दोलन का इतिहास
05	सुधीर सक्सेना	मध्यप्रदेश में आजादी की लड़ाई और आदिवासी
06	डॉ ० सुधा जैन	जंग ए आजादी में बुंदेलखंड की देशी रियासतें
07	डॉ० हंसा व्यास	मध्यप्रदेश में स्वतंत्रता संग्राम (१८५७ से १९४७)
08	डॉ० वसुंधरा शर्मा	मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय आन्दोलन
09	डॉ० बी.एन.लुनिया	महयाभारत में विद्रोह
10	डॉ० बी.के. श्रीवास्तव	1857 की क्रांति
	Suggestive digital platforms, web links:	

PARD D: ASSESSMENT AND EVALUATION

Suggested Continuous Evaluation Methods:
Maximum Marks : 100
Continuous Comprehensive Evaluation (CCE): 30 marks University Exam (UE) 70 Marks.

Sr. No.		EVALUATION METHOD	MARKS
1-	**Internal Assessment** Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):	Class Test (Objective type or descriptive) & Assignment and presentation of Assignment	30
2-	**External Assessment** University Exam Section Time: 03:00 Hours.	Section- A _ Very Short Question Section- B _ Short Question Section- C _ Long Question	70

P.K. UNIVERSITY SHIVPURI

सैद्धांतिक प्रश्न पत्र

कार्यक्रम, उपाधी		कक्षा – बी.ए.	वर्षः तृतीय	सत्र . 2023–24
विषय . इतिहास				
1-	पाठ्यक्रम का कोड	**UHISTHI301**		
2-	पाठ्यक्रम का शीर्षक	**मध्यप्रदेश में स्वतंत्रता आंदोलन (1836-1947CE)**		
3-	पाठ्यक्रम का प्रकार	माईनर/इलेक्टिव		
4-	पूर्वा पेक्षा	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिये छात्र ने विषय का अध्ययन डिप्लोमा में किया हो।		
5-	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियॉ (कोर्स लर्निंगं आउटकम)	इस पाठ्यक्रम में सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगेः 1.मध्यप्रदेश के स्वतंत्रता संग्राम स्त्रोतो को जान पायेंगे। 2.मध्यप्रदेश में हुये झण्डा सत्याग्रह एंव जंगल सत्याग्रह एंव बुन्देला विद्रोहों के महत्व को समझ सकेंगे। 3.मध्यप्रदेश में हुये असहयोग,सविनय,अवज्ञा एंव भारत छोड़ो आन्दोलन को जान पायेंगे। 4.स्वतंत्रता आन्दोलनों में प्रजामण्डलों की भूमिका को जान पायेंगे। 5.मध्यप्रदेश में महात्मा गॉधी की भूमिका को समझ सकेंगे। 6.स्वतंत्रता आंदोलन में महिलाओं ऐव आदिवासियों की भागीदारी से परिचित होंगे। 7.मध्यप्रदेश की रियासतों का स्वतंत्रता आन्दोलन में योगदान को जान सकेंगे।		
6-	**क्रेडिटमान**	**6**		
7-	**कुल अंक**	**अधिकतम अंक : 30+70**	**न्यूनतम उर्त्तीण अंक 35**	

भाग ब – पाठयक्रम की विषय वस्तु

	व्याख्यान की कुल संख्या – 90	
इकाई	**विषय**	**व्याख्यान**
प्रथम	**मध्यप्रदेश में स्वतंत्रता संग्राम के स्त्रोतों एंव राष्ट्रवाद का उदय–** मध्यप्रदेश में स्वतंत्रता संग्राम से स्त्रोत। मध्यप्रदेश की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि (1836-1947CE) मध्यप्रदेश में राष्ट्रवाद का उदय । झण्डा सत्याग्रह एंव जंगल सत्याग्रह। बुन्देला विद्रोह– कारण,घटनायें एंव परिणाम।	18
द्वितीय	**मध्यप्रदेश में 1857 का विद्रोह एंव असहयोग आन्दोलन** मध्यप्रदेश में 1857 का विद्रोहः स्वरूप,कारण,दमन एंव प्रभाव। क्षेत्रीय घटनायें– 1. सागर नर्मदा क्षेत्र 2.ग्वालियर 3. इंदौर 4. भोपाल 5. रीवा 6.बुन्देलखण्ड। मध्यप्रदेश में असहयोग आन्दोलन – 1. महाकौशल 2. ग्वालियर 3.इन्दौर 4.भोपाल 5.रीवा 6. बुन्देलखण्ड।	18
तृतीय	**मध्यप्रदेश में सविनय अवज्ञा एंव भारत छोड़ो आन्दोलन** मध्यप्रदेश में सविनय अवज्ञा आन्दोलन – 1. महाकौशल 2. ग्वालियर 3.इन्दौर 4. भोपाल 5.रीवा 6. बुन्देलखण्ड।	18

RK UNIVERSITY RAJKOT

	मध्यप्रदेश में भारत छोड़ो आन्दोलन – 1. महाकौशल 2. ग्वालियर 3.इन्दौर 4.भोपाल 5.रीवा 6. बुन्देलखण्ड।	
चतुर्थ	**स्वतंत्रता आन्दोलन में प्रजामण्डलों, महिलाओं और आदिवासियों की भूमिका** स्वतंत्रता आन्दोलन में प्रजामण्डलों की भूमिका। मध्यप्रदेश में महात्मा गॉधी। स्वतंत्रता आन्दोलन में महिलाओं एंव आदिवासियों की भागीदारी। मध्यप्रदेश की रियासतों का स्वतंत्रता आन्दोलन में योगदान ।	18
पंचम	**मध्यप्रदेश के प्रमुख स्वतंत्रता संग्राम सेनानी –** टंटया भील, ख्वाजा नायक एंव भीमा नायक, मर्दनसिंह, बखतबली, शंकरशाह, रघुनाथशाह, रणमतसिंह, बरकतउल्ला, कुंजीलाल दुबे, केशव प्रकाश विद्यार्थी, रविशंकर शुक्ल, द्वारका प्रसाद मिश्र, माखनलाल चतुर्वेदी। अवन्तीबाई, सुभद्रा कुमारी चौहान, सहोद्राबाई राय ।	18
सार बिन्दु	स्वतंत्रता संग्राम, राष्ट्रवाद, बुन्देला विद्रोह, असहयोग आन्दोलन, सविनय अवज्ञा आन्दोलन, भारत छोड़ो आन्दोलन, प्रजामंडल ।	

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

स0क0	लेखक	पुस्तक का नाम
01	डॉ० हीरा लाल	मध्यप्रदेश का इतिहास
02	श्यामसुंदर सक्सेना	भोपाल राज्य का स्वतंत्र इतिहास
03	श्यामसुंदर सक्सेना	युग युगीन भोपाल
04	द्वारका प्रसाद मिश्र	मध्यप्रदेश में स्वाधीनता आन्दोलन का इतिहास
05	सुधीर सक्सेना	मध्यप्रदेश में आजादी की लड़ाई और आदिवासी
06	डॉ ० सुधा जैन	जंग ए आजादी में बुंदेलखंड की देशी रियासतें
07	डॉ० हंसा व्यास	मध्यप्रदेश में स्वतंत्रता संग्राम (१८५७ से १९४७)
08	डॉ० वसुंधरा शर्मा	मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय आन्दोलन
09	डॉ० बी.एन.लुनिया	महयाभारत में विद्रोह
10	डॉ० बी.के. श्रीवास्तव	1857 की क्रांति

डिजिटल प्लेटफार्म	**Suggestive digital platforms, web links:**	
	भाग द – अनुशंसित मूल्याकंन	
	अधिकतम अंक	**100**
	सतत व्यापक मूल्याकंन (CEE)	**30**
	विश्वविद्यालय परीक्षा – अतिलघु उत्तरीय/लघुउत्तरीय /दीर्घउत्तरीय	**70**

PK UNIVERSITY SHIVPURI

Sharma Sir